

14/9/23 पत्रावली पेशा हुई। प्रकरण में प्रार्थी की
फौज हुई लम्बा समय बीत चुका है बावजूद
अधि. प्रार्थी द्वारा वारिकत काय भी नहीं कराई
गई। अतः अधि. प्रार्थी द्वारा वारिकत काय भी
नहीं कराया जाने से प्रार्थी का प्रार्थना
पत्र रक्षी रुत पर खिंचा जाकर
खारिज किया जाता है। निरिप सुनाया गया।
पत्रावली केसल सुभार लेकर नजर से कम है।